RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
05
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

एंडोक्राइन-विघटनकारी रसायन / Endocrine-Disrupting Chemicals

संदर्भ:

मानव शरीर में माइक्रोप्लास्टिक और एंडोक्राइन डिस्टर्बिंग केमिकल्स (EDCs) की घुसपैठ एक अदृश्य लेकिन गंभीर संकट बन गई है, जो हमारे हार्मोनल तंत्र को बाधित कर रही है। यह समस्या भारत में और भी विकराल रूप ले रही है, जो विश्व का सबसे बड़ा प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करने वाला देश है। आज प्लास्टिक प्रदूषण केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि एक जैविक आक्रमण बन चुका है, जो सीधे मानव स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहा है।

एंडोक्राइन-विघटनकारी रसायन (Endocrine-Disrupting Chemicals - EDCs):

1. क्या हैं ये रसायन?

- एंडोक्राइन-विघटनकारी रसायन ऐसे रसायन होते हैं जो शरीर की हार्मोन प्रणाली (हॉर्मोन सिस्टम) में हस्तक्षेप करते हैं।
- ये विकास, प्रजनन, मूड और चयापचय (metabolism) को प्रभावित कर सकते हैं।

2. ये कैसे काम करते हैं?

- ये प्राकृतिक हार्मोन जैसे – एस्ट्रोजन, टेस्टोस्टेरोन, थायरॉयड हार्मोन और कोर्टिसोल – की नकल करते हैं या उन्हें अवरुद्ध करते हैं।
- इससे शरीर के हार्मोन संकेत गड़बड़ा जाते हैं, जिससे जैविक प्रक्रियाएँ बाधित होती हैं।

3. खतरा: बहुत कम मात्रा में भी – विशेष रूप से गर्भावस्था या किशोरावस्था के दौरान – इनका संपर्क लंबे समय तक हानिकारक प्रभाव डाल सकता है।

4. संपर्क के माध्यम:

- दूषित भोजन के सेवन से
- प्रदूषित हवा में सांस लेने से
- कुछ प्लास्टिक उत्पादों या कॉस्मेटिक्स के त्वचा संपर्क से

5. ये कहां पाए जाते हैं?

- प्लास्टिक बोतलों में: **Bisphenol A (BPA)**
- खिलौनों और सौंदर्य प्रसाधनों में: **Phthalates** (जैसे Di(2-ethylhexyl) phthalate)
- खाद्य पैकेजिंग सामग्री में: **PFAS (Per- and Polyfluoroalkyl Substances)**
- कीटनाशकों में: **Dioxins, Polychlorinated Biphenyls (PCBs)**

6. छुपे हुए नुकसान:

- ये रसायन धीरे और चुपचाप असर करते हैं।
- दीर्घकालिक प्रभावों में बांझपन, हार्मोन असंतुलन, या कैंसर शामिल हो सकते हैं।

एंडोक्राइन-विघटनकारी रसायनों (EDCs) का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव

1. प्रजनन संबंधी हानि (Reproductive Harm):

- शुक्राणुओं की गुणवत्ता में गिरावट,
- मासिक धर्म चक्र में गड़बड़ी
- गर्भपात की संभावना में वृद्धि
- ये रसायन वीर्य, अपरा (placenta) और स्तन दूध में भी पाए जाते हैं।

2. हार्मोनल असंतुलन: Bisphenol A जैसे रसायन जल्दी यौवन (early puberty), थायरॉयड समस्याएं, और हार्मोन गड़बड़ी का कारण बनते हैं।

3. कैंसर का खतरा (Cancer Risk): स्तन, गर्भाशय, अंडकोष और प्रोस्टेट कैंसर से जुड़े हुए।

- कई EDCs को संभावित कैंसरजनक (probable carcinogens) के रूप में वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा वर्गीकृत किया गया है।

4. चयापचय प्रभाव (Metabolic Effects):

- इंसुलिन की प्रक्रिया में बाधा,
- मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज को बढ़ावा देना
- PFAS रसायन लीवर और हृदय रोग से जुड़े हुए हैं।

5. मस्तिष्क और व्यवहार पर प्रभाव: बचपन में संपर्क के कारण ADHD, सीखने की समस्याएं, और IQ में गिरावट देखी गई है।

6. पीढ़ियों तक प्रभाव: ये रसायन जीन अभिव्यक्ति (gene expression) में परिवर्तन ला सकते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है – भले ही उन्हें प्रत्यक्ष संपर्क न हुआ हो।

भारत में स्वस्थ वृद्धावस्था / Healthy Ageing in India

संदर्भ:

आईआईएससी बेंगलुरु ने **"BHARAT स्टडी"** शुरू की है, जिसका उद्देश्य भारत-विशिष्ट बायोमार्कर्स विकसित करना है ताकि सक्रिय और स्वस्थ बुढ़ापे को बेहतर ढंग से समझा जा सके। यह पहल उन निदान संबंधी खामियों को दूर करने का प्रयास है, जो अब तक पश्चिमी देशों के स्वास्थ्य डेटा पर आधारित रही हैं।

BHARAT परियोजना: भारतीय संदर्भ में आयु संबंधी वैज्ञानिक अध्ययन की पहल:

परियोजना का परिचय:

- **वैज्ञानिक शुरुआत:** यह एक राष्ट्रीय अनुसंधान पहल है जिसे भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु द्वारा शुरू किया गया है।
- **प्रमुख उद्देश्य:** भारत में लोगों के जैविक, पर्यावरणीय और सामाजिक रूप से बुजुर्ग होने की प्रक्रिया पर पहला वैज्ञानिक बेसलाइन बनाना।

नेतृत्व: परियोजना का नेतृत्व IISc के विकास जीवविज्ञान और आनुवंशिकी विभाग के प्रोफेसर डी.के. सैनी कर रहे हैं।

वैश्विक अनुसंधान की खामियों को भरना: यह परियोजना पश्चिमी आबादी पर आधारित अंतरराष्ट्रीय बुढ़ापे अध्ययनों की तुलना में भारतीय-विशिष्ट डेटा प्रदान कर एक महत्वपूर्ण शोध अंतर को भरती है।

'सामान्य' को पुनर्परिभाषित करना: कोलेस्ट्रॉल, विटामिन D जैसी स्वास्थ्य संबंधी अंतरराष्ट्रीय मानकों को भारतीय संदर्भ में चुनौती देने की तैयारी, जो कई बार गलत निदान करते हैं।

जैविक उम्र पर ध्यान: कालानुक्रमिक आयु की बजाय जैविक उम्र के बायोमार्कर के आधार पर बीमारी के जोखिम की प्रारंभिक पहचान की जाएगी।

हेल्दी एजिंग (Healthy Ageing): परिभाषा और भारत में स्थिति:

हेल्दी एजिंग क्या है?

- हेल्दी एजिंग का अर्थ है बुजुर्ग अवस्था में शारीरिक, मानसिक और कार्यात्मक क्षमता को बनाए रखना।
- इसका ज़ोर केवल जीवनकाल बढ़ाने पर नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने पर होता है।
- अक्सर जैविक उम्र (biological age) और कालानुक्रमिक उम्र (chronological age) में अंतर होता है।

बुढ़ापा कैसे होता है?

- यह एक लगातार चलने वाली जैविक प्रक्रिया है जिसमें टिलोमेर (telomere) की लंबाई में कमी जैसे आणविक और कोशकीय परिवर्तन होते हैं।
- प्रारंभिक जीवन में संक्रमण, प्रदूषण और सामाजिक समर्थन जैसे कारक यह निर्धारित करते हैं कि व्यक्ति कैसे और कितनी जल्दी वृद्ध होता है।

भारत में एजिंग से संबंधित आँकड़े और स्थिति:

बुजुर्ग जनसंख्या में तीव्र वृद्धि: 2050 तक भारत की 20% आबादी (लगभग 319 मिलियन) 60 वर्ष से अधिक की होगी।

बीमारी का बढ़ता बोझ: पार्किंसन रोग में 168% और डिमेंशिया (स्मृति-हानि) में 200% की वृद्धि की संभावना।

लैंगिक असमानता: महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक जीती हैं, लेकिन उन्हें ज़्यादा विकलांगता-समायोजित जीवन वर्षों (DALYs) का सामना करना पड़ता है।

आर्थिक प्रभाव: बढ़ती वरिष्ठ नागरिक निर्भरता दर स्वास्थ्य सेवाओं और पेंशन प्रणाली पर भार बढ़ा रही है।

स्वास्थ्य सेवाओं की कमी: अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHCs) और जिला अस्पतालों में जेरियाट्रिक (बुजुर्ग स्वास्थ्य) सेवाएँ सीमित हैं।

परियोजना की प्रमुख विशेषताएँ:

- **भारत-केंद्रित बेसलाइन:** भारतीय अनुवांशिकी, आहार और जीवनशैली के आधार पर बायोमार्कर कट-ऑफ तय किए जाएंगे।
- **विस्तृत बायोमार्कर अध्ययन:** जीनोमिक, मेटाबॉलिक और पर्यावरणीय संकेतकों का विश्लेषण कर अंगों की उम्र और प्रतिरोध क्षमता की पहचान की जाएगी।
- **एआई-संचालित विश्लेषण:** मशीन लर्निंग टूल्स का उपयोग कर बुढ़ापे के पैटर्न, स्वास्थ्य हस्तक्षेपों की सिमुलेशन और जोखिम का पूर्वानुमान किया जाएगा।
- **समग्र वृद्धावस्था मॉडल:** पोषण, प्रदूषण, संक्रमण, और सामाजिक कारकों को अध्ययन में शामिल किया जाएगा।
- **वैश्विक दक्षिण के लिए समानता:** स्थानीय रूप से सत्यापित स्वास्थ्य डेटा के माध्यम से वैश्विक मानकों में भारत के प्रति पूर्वाग्रह को चुनौती दी जाएगी।
- **स्वास्थ्य जीवन पर केंद्रित:** केवल जीवनकाल बढ़ाने की बजाय स्वस्थ जीवनकाल (Healthspan) बढ़ाने पर ज़ोर—अर्थात् लंबे समय तक बेहतर जीवन गुणवत्ता।

साम्राज्यवाद / Imperialism

संदर्भ:

हाल ही में अमेरिका ने 12 दिनों के युद्ध के दौरान ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बिना उकसावे के हमले किए। ट्रम्प प्रशासन की वापसी के बाद इन कार्रवाइयों ने वैश्विक शक्ति संतुलन पर अमेरिका की दखलअंदाज़ी और साम्राज्यवादी नीतियों को लेकर बहस को एक बार फिर तेज कर दिया है।

साम्राज्यवाद (Imperialism):

साम्राज्यवाद एक ऐसी नीति, अभ्यास या विचारधारा है, जिसके अंतर्गत कोई राष्ट्र अपने शक्ति और प्रभुत्व का विस्तार करता है – विशेषकर:

- **सीधे किसी क्षेत्र पर अधिकार** जमाकर, या
- **राजनीतिक और आर्थिक नियंत्रण** स्थापित करके।

इस प्रक्रिया में, एक शक्तिशाली देश किसी अन्य, अक्सर कमजोर राष्ट्र पर अपना वर्चस्व थोपता है। यह वर्चस्व कई तरीकों से हो सकता है:

- **सैन्य बल** का उपयोग करके
- **आर्थिक प्रभुत्व** के माध्यम से
- **सांस्कृतिक प्रभाव** या प्रचार द्वारा

साम्राज्यवाद का उद्देश्य आमतौर पर संसाधनों, बाज़ारों या रणनीतिक लाभों पर नियंत्रण पाना होता है।

क्या अमेरिकी साम्राज्यवाद वैश्विक शांति के लिए खतरा है?

कई विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी साम्राज्यवाद (U.S. imperialism) को वैश्विक स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखा जाता है, खासकर निम्नलिखित कारणों से:

1. अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन:

- अमेरिका ने कई बार संयुक्त राष्ट्र की स्वीकृति के बिना एकतरफा सैन्य हस्तक्षेप किए हैं (जैसे इराक 2003), जिससे वैश्विक कानूनी मानदंडों की अवहेलना हुई है।

2. क्षेत्रों का अस्थिर होना:

- अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेपों के बाद देशों में लंबे समय तक संघर्ष, शासन प्रणाली की कमजोरी, आतंकवाद और शरणार्थी संकट की स्थिति पैदा हुई (उदाहरण: अफगानिस्तान, लीबिया, सीरिया)।

3. बहुपक्षवाद का ह्रास:

- अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थानों से बाहर जाकर कार्य करने से अंतरराष्ट्रीय सहयोग की संस्कृति कमजोर हुई है। इससे सामूहिक निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया पर भी असर पड़ा है।

क्या अमेरिका चीन के उदय को खतरे के रूप में देखता है?

अमेरिका चीन के आर्थिक, तकनीकी और भू-राजनीतिक उदय को एक रणनीतिक चुनौती और संभावित खतरे के रूप में देखता है। इसके पीछे मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

आर्थिक प्रतिस्पर्धा (Economic Rivalry):

- चीन की तेजी से आर्थिक वृद्धि और $20 ट्रिलियन GDP के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना अमेरिका की व्यापारिक और औद्योगिक बढ़त को चुनौती देता है।
- Belt and Road Initiative (BRI) जैसे वैश्विक बुनियादी ढांचा निवेश परियोजनाओं के माध्यम से चीन वैश्विक व्यापार नेटवर्क को पुनर्परिभाषित कर रहा है।

तकनीकी प्रतिस्पर्धा: सेमीकंडक्टर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन टेक्नोलॉजी (जैसे नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन) में चीन की बढ़त अमेरिका की वैश्विक नवाचार और रणनीतिक उद्योगों में श्रेष्ठता को चुनौती देती है।

भू-राजनीतिक प्रभाव:

- चीन का BRICS और शंघाई सहयोग संगठन (SCO) जैसे मंचों के माध्यम से प्रभाव बढ़ाना, अमेरिका-नेतृत्व वाले वैश्विक ढांचे को प्रतिस्पर्धात्मक विकल्प देता है।
- दक्षिण चीन सागर में आक्रामकता और अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में रणनीतिक निवेश चीन की वैकल्पिक विश्व व्यवस्था की आकांक्षा को दर्शाते हैं।

भारत जैसे उभरते देशों के सामने चुनौतियाँ:

1. **कम होती रणनीतिक स्वतंत्रता** – अमेरिका-चीन की द्विध्रुवीयता भारत पर एक पक्ष चुनने का दबाव बना सकती है।
2. **वैश्विक प्रभाव में कमी** – द्विध्रुवीयता में मझोले देशों की भूमिका सीमित हो जाती है।
3. **भूराजनीतिक अस्थिरता** – बड़ी शक्तियों के तनाव से क्षेत्रीय सुरक्षा पर खतरा बढ़ सकता है।

डब्ल्यूएचओ की "3 by 35" पहल / WHO's "3 by 35" Initiative

संदर्भ:

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने गैर-संक्रामक रोगों (NCDs) के वैश्विक बोझ को कम करने के लिए **"3 बाय 35" पहल** शुरू की है। यह रणनीति तंबाकू, शराब और मीठे पेयों जैसे तीन उच्च-जोखिम उत्पादों को लक्षित करती है, जो हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। WHO का लक्ष्य है कि 2035 तक इन उत्पादों पर स्वास्थ्य करों के ज़रिए कम से कम 50% वास्तविक मूल्य वृद्धि की जाए, ताकि दुनिया भर में हो रही 75% से अधिक मौतों को रोका जा सके।

हेल्थ टैक्स (Health Tax): क्या है और क्यों जरूरी है?

परिभाषा:

हेल्थ टैक्स वह कर होता है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक उत्पादों – जैसे तंबाकू, शराब और मीठे पेय पदार्थों – पर लगाया जाता है। इसका उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा भी होता है।

मुख्य उद्देश्य:

1. **हानिकारक उपभोग में कमी:**
   - इन उत्पादों की कीमत बढ़ाकर उनकी खपत घटाना, जिससे गंभीर बीमारियों और समयपूर्व मृत्यु को रोका जा सके।
   - उदाहरण: कोलंबिया में सिगरेट पर कर बढ़ने से उपभोग में 34% की गिरावट आई।
2. **राजस्व सृजन:** अगले दशक में वैश्विक स्तर पर US$ 1 ट्रिलियन अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न किया जा सकता है।
3. **स्वास्थ्य प्रणाली को सशक्त बनाना:** सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, रोकथाम कार्यक्रमों और स्वास्थ्य ढांचे को वित्तपोषित करने के लिए इस्तेमाल।
4. **एसडीजी लक्ष्य 3 (SDG 3) को समर्थन:**
   - सभी आयु वर्गों के लिए स्वास्थ्य और भलाई को सुनिश्चित करना।
   - 2030 तक गैर-संचारी रोगों (NCDs) से मृत्यु में एक-तिहाई की कमी लाने का लक्ष्य।

हेल्थ टैक्स की आवश्यकता: प्रमुख कारण

1. स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- *तंबाकू, शराब और मीठे पेय पदार्थों* का अत्यधिक सेवन *गैर-संचारी रोगों (NCDs)* की महामारी को बढ़ाता है।
- NCDs वैश्विक स्तर पर *75% से अधिक मौतों* के लिए जिम्मेदार हैं।

2. आर्थिक प्रभाव:

- ये उत्पाद *नकारात्मक बाहरी प्रभाव (externalities)* पैदा करते हैं—जैसे दूसरों के स्वास्थ्य पर बोझ।
- साथ ही, *आंतरिक छिपी हुई लागतें (internalities)* होती हैं—जैसे दीर्घकालिक बीमारी, उत्पादकता में कमी।
- *केवल तंबाकू उपयोग* से ही *2012 में वैश्विक अर्थव्यवस्था को US$ 1.4 ट्रिलियन* का नुकसान हुआ।

3. समानता को बढ़ावा:

- गैर-संचारी रोगों (NCDs) का प्रभाव निम्न-आय वर्गों पर अधिक पड़ता है।
- हेल्थ टैक्स से न केवल स्वास्थ्य सेवाएं सशक्त होती हैं, बल्कि स्वास्थ्य समानता (health equity) भी बढ़ती है।

हेल्थ टैक्स: चुनौतियाँ

1. उद्योगों का विरोध: तंबाकू और पेय पदार्थ उद्योगों की मजबूत लॉबिंग के कारण नीतियों में विलंब या कमजोर क्रियान्वयन होता है।

- नीति निर्माण में व्यावसायिक हित अक्सर जनस्वास्थ्य पर हावी हो जाते हैं।

2. प्रतिगामी कर का डर: हेल्थ टैक्स से निम्न-आय वर्ग पर अधिक आर्थिक बोझ पड़ सकता है।

3. राजस्व अस्थिरता (Revenue Volatility):

- जैसे-जैसे उपभोग घटेगा, कर से होने वाली आय में गिरावट आ सकती है।
- इससे दीर्घकालिक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

4. कर छूट और उद्योग समझौते: कुछ दीर्घकालिक कर छूट या समझौते भविष्य में कर बढ़ोतरी को रोक सकते हैं, जिससे जनस्वास्थ्य पर असर पड़ता है।

भारत में अस्वास्थ्यकर उत्पादों की खपत को कम करने के लिए उठाए गए प्रमुख कदम

1. उच्च कर व्यवस्था (Taxation Measures):

- **एरेटेड बेवरेजेस (कार्बोनेटेड पेय):** *28% GST* के साथ *अतिरिक्त 12% मुआवज़ा उपकर* लगाया गया है।
- **उच्च वसा, शक्कर और नमक वाले खाद्य पदार्थ:** इन पर *12% GST* लगाया गया है ताकि इनकी खपत को हतोत्साहित किया जा सके।

2. ट्रांस फैट पर नियंत्रण: *भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI)* ने

- *खाद्य उत्पादों में ट्रांस फैटी एसिड (TFA)* को *कुल तेल और वसा के अधिकतम 2% तक सीमित* किया

ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स / Global Liveability Index

संदर्भ:

इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (EIU) ने **ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स 2025** जारी किया है, जो दुनिया भर के प्रमुख शहरों में जीवन की गुणवत्ता का आकलन करता है। इस रिपोर्ट में स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, संस्कृति, पर्यावरण और बुनियादी ढांचे जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर शहरों की रहने लायक स्थिति का मूल्यांकन किया गया है।

Global Liveability Index 2024: प्रमुख तथ्य और भारत की स्थिति

1. सूचकांक का परिचय:

- **प्रणाली (Methodology):**
  - कुल **173 शहरों** का मूल्यांकन किया गया।
  - **30 संकेतकों** के आधार पर आंकलन, जो पाँच प्रमुख श्रेणियों में विभाजित हैं: स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा, संस्कृति एवं पर्यावरण, शिक्षा, बुनियादी ढांचा
  - **स्कोरिंग पैमाना:** 1 से 100 तक, जहाँ **100 का अर्थ आदर्श जीवनयोग्यता** और **1 का अर्थ असहनीय** होता है।

2. शीर्ष जीवनयोग्य शहर (Most Liveable Cities):

- **कोपेनहेगन (डेनमार्क):**
  - स्कोर: 98/100
  - स्थिरता, शिक्षा, और बुनियादी ढांचे में पूर्ण अंक प्राप्त कर विएना की तीन वर्षों की शीर्ष स्थिति समाप्त की।
- **ज्यूरिख (स्विट्ज़रलैंड):** स्कोर: 97.1/100
- **विएना (ऑस्ट्रिया):** स्कोर: 97.1/100 (ज्यूरिख के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान)

3. न्यूनतम जीवनयोग्यता वाले शहर (Least Liveable Cities):

- **1. दमिश्क (सीरिया):** 30.7/100
- **2. त्रिपोली (लीबिया):** 40.1/100
- **3. ढाका (बांग्लादेश):** 41.7/100

4. भारत का प्रदर्शन:

- **दिल्ली** और **मुंबई** दोनों का स्कोर: 60.2/100
- **रैंक:** संयुक्त रूप से 141वाँ स्थान

निष्कर्ष:

Global Liveability Index भारत के शहरी क्षेत्रों के लिए बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवाओं और पर्यावरणीय गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है, जबकि यूरोपीय शहर गुणवत्ता जीवन के वैश्विक मानक को परिभाषित कर रहे हैं।

गार्सिनिया कुसुमा / Garcinia kusumae

संदर्भ:

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका **Feddes Repertorium** में प्रकाशित एक नई वनस्पति प्रजाति **Garcinia kusumae** का असम के बामुंबाड़ी क्षेत्र में खोजा जाना राज्य की समृद्ध पुष्पीय विविधता में एक और महत्वपूर्ण योगदान है।

Garcinia kusumae: असम की नई खोजी गई औषधीय प्रजाति

1. सामान्य परिचय: Garcinia kusumae एक **द्विलिंगी** सदाबहार वृक्ष है। यह **Garcinia वंश** से संबंधित है, जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वितरण और औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है।

2. भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियाँ:

- यह प्रजाति असम के उष्णकटिबंधीय निम्नभूमि वर्षावनों में पाई जाती है।विशेष रूप से बक्सा ज़िला (Assam) में खोजी गई, जो समृद्ध जैव विविधता और नमीयुक्त जलवायु के लिए प्रसिद्ध है।

3. वनस्पतिक लक्षण (Morphological Features):

- ऊँचाई: लगभग 18 मीटर तक बढ़ती है।
- **फूलने का समय:** फरवरी से अप्रैल
- **फल पकने का समय:** मई से जून
- एक गुच्छ में 15 तक नर पुष्प हो सकते हैं।

4. विशिष्ट विशेषताएँ: Garcinia assamica, Garcinia cowa, और Garcinia succifolia से मिलती-जुलती होने के बावजूद, फूलों की संरचना, केसरों की संख्या, फलों में निकलने वाले काले गोंद जैसे पदार्थ में अंतर है।

5. पारंपरिक और औषधीय उपयोग:

- **गर्मी से बचाव के लिए शरबत:** फल गूदा सूखाकर शीतल पेय बनाया जाता है, जो लू से बचाव में सहायक होता है।
- **पारंपरिक भोजन में प्रयोग:** मछली की करी में स्वाद के लिए जोड़ा जाता है।
- **औषधीय प्रयोग:** डायबिटीज और पेचिश के इलाज में स्थानीय उपयोग। बीज के खट्टे आरील को नमक, मिर्च और सरसों के तेल के साथ कच्चा खाया जाता है।

6. असम की वनस्पति विविधता में योगदान:

- इस खोज के साथ असम में अब **Garcinia की 12 प्रजातियाँ और 3 किस्में** दर्ज हैं।

सक्षम-3000 / SAKSHAM-3000

संदर्भ:

केंद्रीय संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री **डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर** ने **उच्च क्षमता वाले SAKSHAM-3000** को लॉन्च किया है। यह उन्नत प्रणाली डाक और संचार क्षेत्र में दक्षता, गति और विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि मानी जा रही है।

SAKSHAM-3000: भारत का अगली पीढ़ी का स्वदेशी डेटा सेंटर स्विच-राउटर-

1. परिचय: SAKSHAM-3000 एक अत्याधुनिक **स्वदेशी स्विच-कम-राउटर** है जिसे C-DOT (Centre for Development of Telematics) द्वारा विकसित किया गया है।

- यह अगली पीढ़ी के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए डिजाइन किया गया है।

2. तकनीकी विशेषताएँ:

- **उच्च क्षमता:**
  - 25.6 Tbps की क्षमता वाला कॉम्पैक्ट स्विच-राउटर
  - 32 पोर्ट्स के साथ 1G से 400G तक की Ethernet स्पीड को सपोर्ट करता है।
- **आदर्श उपयोग:**
  - बड़े कंप्यूटिंग क्लस्टर
  - क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर
  - 5G/6G नेटवर्क
  - AI वर्कलोड्स के लिए अत्यंत उपयुक्त।
- **प्रमुख तकनीकें:**
  - अत्यंत कम लेटेंसी
  - वायर-स्पीड प्रोसेसिंग
  - CROS (C-DOT Router Operating System) आधारित मॉड्यूलर ऑपरेटिंग सिस्टम
- **प्रोटोकॉल समर्थन:** Layer-2, IP, और MPLS प्रोटोकॉल को सपोर्ट करता है।
- **ऊर्जा दक्षता:**
  - एनर्जी एफिशिएंट डिजाइन
  - PTP (Precision Time Protocol) और Sync-E के साथ टाइम-सेंसिटिव एप्लिकेशन के लिए उपयुक्त।

भारत का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क / India's Largest Logistics Network

संदर्भ:

केंद्रीय संचार मंत्री ने घोषणा की है कि **इंडिया पोस्ट एक बड़े तकनीकी परिवर्तन** के दौर से गुजर रहा है। इस परिवर्तन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के तहत **भारत डाक विभाग ने पहली बार चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर (CTO)** की नियुक्ति की है। यह पहल डाक सेवाओं को आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म में रूपांतरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है।

भारत का डाक विभाग (Department of Posts – India Post): प्रमुख तथ्य

1. प्रशासनिक ढांचा:

- संचालन मंत्रालय: संचार मंत्रालय (Ministry of Communications) के अधीन कार्य करता है।
- प्रशासनिक निकाय: **पोस्टल सर्विस बोर्ड**, जिसमें एक अध्यक्ष और छह सदस्य होते हैं, जो निम्नलिखित क्षेत्रों की देखरेख करते हैं:
  - कार्मिक (Personnel), संचालन (Operations), प्रौद्योगिकी (Technology), डाक जीवन बीमा (PLI), बैंकिंग एवं प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) योजना
- अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार स्थायी आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल होते हैं।
- वरिष्ठ अधिकारी और निदेशक भी बोर्ड का सहयोग करते हैं।

2. विश्व की सबसे बड़ी डाक नेटवर्क: 1.55 लाख से अधिक डाकघरों के साथ भारत डाक विभाग दुनिया का सबसे व्यापक डाक नेटवर्क संचालित करता है।

3. महत्त्व और योगदान: संचार व्यवस्था का आधार स्तंभ: यह भारत के दूरदराज़ क्षेत्रों तक संचार की पहुंच सुनिश्चित करता है।

- सामाजिक-आर्थिक विकास में भूमिका:
  - डाक सेवाओं के साथ-साथ यह लघु बचत योजनाएँ (जैसे NSC, RD, PPF),
  - डाक जीवन बीमा (PLI) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा
  - बिल कलेक्शन, रिटेल सेवाएं भी प्रदान करता है।
- सरकारी योजनाओं में समर्थन:
  - MGNREGS की मजदूरी,
  - वृद्धावस्था पेंशन और
  - अन्य कल्याणकारी योजनाओं का वितरण डाक विभाग द्वारा किया जाता है।

Pathshala
SCIENCE BOOK
FREE
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय परीक्षाओं के लिए
I'M Possible
Ankit Kumar Avasthi
बुक की ख़रीद पर पाएं
100% CASHBACK
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

CALL CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download “Apni Pathshsla” app now!
Follow us: